visit:-www.crimepatrol.asia

क्राइम पेट्रोल

वर्षः 16 अंकः 175 देहरादून शनिवार 21 मई 2022 | Email:crimepatrol09@gmail.com | (RNI No. UTTHIN/2005/16772) पृष्ठः 8 मूल्यः 1 रूपये

त्रिस्तरीय पंचायतों ने रखी अपनी–अपनी मांगें

''निर्माणाधीन योजनाओं का कार्यपूर्ण होते ही उक्त योजनाओं को भी पंचायतों को हस्तांतरित करते हुए समस्त हस्तांतरित योजनाओं का अनुरक्षण संचालन किये जाने का अनुरोध किया गया।''

देहरादून, नगर संवाददाता। नितेश झा सचिव पंचायतीराज की अध्यक्षता में निदेशालय पंचायतीराज, उत्तराखण्ड में राज्य के प्रधान संगठन, क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष संगठन, अध्यक्ष जिला पंचायत संगठन एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ सम्बन्धित पंचायतों की मांगों के सम्बन्ध में बैठक की गई। इस मौके पर त्रिस्तरीय पंचायतों के प्रतिनिधियों–पदाधिकारियों द्वारा अपनी–अपनी मांगों को सचिव पंचायतीराज के समक्ष रखा गया। जिस पर सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि इनमें से कुछ मांगें पूरी हो चुकी है तथा कुछ में शासन स्तर से कार्यवाही लम्बित है। जिस पर सकारात्मक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया। इसके अलावा सचिव पंचायतीराज द्वारा राज्य में संचालित जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत त्रिस्तरीय पंचायतों में निर्मित हो चुकी योजनाओं को पंचायतों को हस्तांतरित किये जाने के सम्बन्ध में अनुरोध किया गया और साथ ही निर्माणाधीन योजनाओं का कार्यपूर्ण होते ही उक्त योजनाओं को भी पंचायतों को हस्तांतरित करते हुए समस्त हस्तांतरित योजनाओं का अनुरक्षण–संचालन किये जाने का अनुरोध किया गया। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों से यह भी अपेक्षा की गयी कि वे टाईड अनुदान के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि का उपयोग जल जीवन मिशन की योजनाओं में भी कर सकते हैं। सचिव पंचायतीराज द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि क्षेत्र पंचायत मल्टी विलेज स्कीम का निर्माण कराये एक से अधिक क्षेत्र पंचायतों को लाभान्वित करने वाली योजनाओं का निर्माण जिला पंचायतें कराये साथ ही जल जीवन मिशन के अन्तर्गत पानी की गुणवत्ता मापने के लिए वाटर टेस्टिंग किट का अधिक से अधिक उपयोग करें। इसके लिए स्कूली बच्चों का सहयोग लिया जाए। प्रधान समय–समय पर पानी की गुणवत्ता, पानी की पर्याप्त उपलब्धता एवं क्षतिग्रस्त पाईप लाइनों की मरम्मत, रख–रखाव पर विशेष ध्यान दें तथा निरंतर पंचायत स्तर पर जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा करते रहें। बैठक में पंचायतीराज विभाग के सचिव नितेश कुमार झा, संयुक्त सचिव ओमकार सिंह, निदेशक बंशीधर तिवारी, संयुक्त निदेशक राजीव कुमार नाथ त्रिपाठी व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड सरकार और भारत पेट्रोलियम के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

देहरादून, नगर संवाददाता। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में उत्तराखण्ड सरकार और भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। सीएम आवास मे आयोजित कार्यक्रम में राज्य में नवीकरणीय एवं अन्य परियोजनाओं के विकास और शत प्रतिशत वित्तीय निवेश किये जाने के लिए यह एमओयू किया गया है। उत्तराखण्ड सरकार की ओर से सचिव ऊर्जा आर मीनाक्षी सुन्दरम और भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड की ओर से मुख्य महाप्रबंधक नवीनीकरण ऊर्जा शैली अब्राहम व अधिशासी निदेशक अमित गर्ग ने हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एमओयू पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे प्रदेश में रिन्यूबल एनर्जी विशेष तौर पर सौर ऊर्जा के क्षेत्र में प्रगति होगी। ऊर्जा और पर्यटन राज्य के विकास के दो प्रमुख आधार हैं। प्रदेश में आर्थिक विकास के साथ–साथ उद्योगों और घरेलू क्षेत्र में ऊर्जा की मांग बढ़ती जा रही है। राज्य सरकार की पूरी कोशिश है कि उत्तराखण्ड ऊर्जा सरप्लस स्टेट बने। इसके लिये सौर ऊर्जा पर भी फोकस किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता, प्रक्रियाओं के सरलीकरण की है। जितना ज्यादा प्रक्रियाओं को सरल किया जाएगा उतना ही राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश होगा। हमें प्रोफेशनल एप्रोच अपनानी होगी। प्रदेश के विकास के लिये हमें इकोनोमी और इकोलॉजी में संतुलन रखते हुए आगे बढ़ना है। इस दृष्टि से रिन्यूबल एनर्जी बहुत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने बीपीसीएल को राज्य में सौर ऊर्जा में आगे आने के लिये धन्यवाद किया और कहा कि राज्य सरकार द्वारा हर संभव सहयोग दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य की ऊर्जा नीति में जरूरी होने पर सुधार किये जाएं और विशेष तौर पर सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक संस्थाओं और उद्यमियों को हर संभव सहयोग दिया जाए। भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड के सीएमडी अरूण कुमार सिंह ने कहा कि उत्तराखण्ड में रिन्यूबल एनर्जी के विकास के लिये बीपीसीएल काम करेगा। संसाधनों और टैलेंट की कमी नहीं है। हमें आपसी समन्वय और सहयोग से देश की प्रगति में योगदान देना है। उत्तराखण्ड में पिछले कुछ वर्षों में तेजी से विकास हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया कि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा आवश्यक औपचारिकताओं को तेजी से पूरा किया गया है। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव उत्तराखण्ड राधा रतूड़ी, बीपीसीएल के सीएमडी अरुण कुमार सिंह, निदेशक सुखमल जैन, स्टेट हैड मिहिर जोशी, अपर सचिव रंजना, डॉ इक़बाल अहमद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

छोटी-छोटी खबरें

ऑल्टो–बोलेरो की जबरदस्त टक्कर में 7 घायल

श्रीनगर। बदरीनाथ नेशनल हाईवे–7 पर सौडपानी के पास बोलेरो वाहन और ऑल्टो कार की आपस में टक्कर हो गई। हादसे में दोनों वाहनों में सवार 7 लोग चोटिल हो गए। घायलों को 108 की मदद से सीएचसी देवप्रयाग में भर्ती कराया गया है। हादसे में 3 महिलाएं भी घायल हुई हैं। मिली जानकारी के अनुसार सुबह 7 बजे देवप्रयाग थाना क्षेत्र के सौडपानी के पास ऋषिकेश से श्रीनगर जा रही ऑल्टो कार और श्रीनगर से ऋषिकेश लौट रहे बोलेरो वाहन की आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों वाहन में शामिल 7 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज सीएचसी देवप्रयाग में कराया गया है। देवप्रयाग थाना प्रभारी अनिरुद्ध मैठाणी ने बताया कि पुलिस हादसे के कारणों की जानकारी ले रही है।

खाई में गिरी कार, पांच लोग घायल

अल्मोड़ा। सल्ट में एक एक मारुति कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गयी। हादसे में पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को रेस्क्यू कर निकाला गया। सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है। शुक्रवार को साढ़े दस बजे मारुति ईको वैन थाना सल्ट से करीब 20 मीटर आगे जालीखान की तरफ ग्राम भवाली के पास अनियंत्रित होकर रोड से करीब 50 मीटर गहरी खाई में गिर गया। जिसमें एक ही परिवार के पांच लोग सवार थे। इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने तुरंत रेस्क्यू कर थाने के सरकारी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। सभी की हालत स्थिर है। घायलों का उपचार जारी है।

नवसंकल्प चिंतन शिविर का आयोजन किया

देहरादून। राजस्थान के उदयपुर में एआईसीसी ने नवसंकल्प चिंतन शिविर का आयोजन किया, जिसमें उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत ने भी हिस्सा लिया। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने नवसंकल्प चिंतन शिविर को लेकर एक ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि आप में से बहुत सारे लोगों को कांग्रेस पार्टी ने बहुत कुछ दिया है। अब समय है कि आप पार्टी के लिए कुछ करें। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हममें से हर व्यक्ति को कुछ कामों को अपने हाथ में लेना चाहिए। साधन खर्च करने वाले कामों को भी लेना चाहिए और कुछ ऐसे कामों को भी लेना चाहिए, जिसमें साधन कम खर्च हो रहे हों लेकिन कांग्रेस बन रही हो। उन्होंने कहा कि वह दो काम अपने हाथ में लेना चाहते हैं। पहला, हर हफ्ते एक ऐसे कांग्रेस परिवार में जाऊंगा, जो परंपरागत रूप से कांग्रेस परिवार है।

आपकी आवाज

प्रिय पाठकों

आप अपने क्षेत्र में भ्रष्टाचार, जनहित से जुड़ी अनेकों समस्याओं से अवगत होते हैं। इसके लिए आवाज भी उठाते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार व काला-बाजारी के इस युग में आपकी आवाज यदि कहीं दबकर रह जाती है। क्राइम पेट्रोल आपके साथ मिलकर आपकी आवाज उठाएगा। आप कोई जानकारी व समाचार समेत किसी भी प्रकार की कोई सूचना हमें देना चाहते हैं, तो आपके सुझाव आमंत्रित हैं। भ्रष्टाचार को मिटाने की इस मुहिम में हम आपके साथ हैं। आपकी पहचान गुप्त रखी जाएगी। हमें संपर्क करें।

क्राइम पेट्रोल लाइव:

प्रवीन भारद्वाज- 9837625470 आशीष पाण्डेय- 9259825021

डीएवीपी (भारत सरकार) द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त

आर.एन.आई. रजि. नं० UTTHIN/2005/16772

डाक पंजी० नं० UA/0/DDN/609/2011-13

दूरभाष : 9837625470, 9259 825021

फैक्स : 0135-2740155

ई-मेल: crimepatroleditor@gmail.com, crimepatrol09@gmail.com, crimepatrol2011@gmail.com, ashishcrime09@gmail.com

Facebook Like Page:- www.facebook.com/crimeddn

visit:- www.crimepatroluk.com, www.crimepatrol.org.in

शहरी विकास मंत्री ने एमडीडीए के कार्यों की समीक्षा की

देहरादून, नगर संवाददाता। वित्त व शहरी विकास मंत्री प्रेम चन्द अग्रवाल ने विधानसभा स्थित सभा कक्ष में मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक की। मंत्री ने पूर्व बैठक में दिये निर्देशों के क्रम में विभाग द्वारा की गई प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने ऋषिकेश मल्टीस्टोरी पार्किंग, मसूरी में मल्टी स्टोरी पार्किंग तथा मसूरी में माल रोड के सौंदर्यीकरण के प्रगति के सम्बन्ध में विभागीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। जिसमें अधिकारियों द्वारा अगवत कराया गया कि सम्बन्धित कार्य त्वरित गति से किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि ऋषिकेश व मसूरी क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों के चलते तीर्थ यात्रियोंध्पर्यटकों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने पूर्व में दिये गये निर्देश के क्रम में (15 दिनों में आवसीय और 30 दिनों में व्यवसायिक नक्शा पास करने की अवधि) किये गये कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। मंत्री ने देहरादून में लगभग 600 अवैध निर्माण कार्यों पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि अवैध निर्माण, बिना नक्शा पास भवन, अवैध कब्जा के संबंध में विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाय। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए अवैध निर्माण व बिना नक्शे वाले भवनों के संबंध में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही किये जाने के निर्देश सचिव मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण को दिये। मंत्री ने मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण की छवि को सुधारने, विकास कार्यों में पारदर्शिता लाने तथा अवैध निर्माण को रोकने के सम्बन्ध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। मंत्री ने कहा कि आगामी बजट में समाज के सभी वर्गों से सुझाव प्राप्त किये जा रहे है। उन्होने कहा कि ई–मेल में माध्यम से भी सुझाव प्राप्त हो रहे है। उन्होने कहा कि ईमेल पर सुझाव प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 27 मई 2022 तक बढाई गई है। जनता द्वारा प्रेषित महत्वपूर्ण सुझावों को बजट में सम्मिलित किया जायेगा। बैठक में मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष बृजेश कुमार संत, सचिव मोहन सिंह बर्निया, एस०ई० एच.सी.एस. राणा तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खच्चर से गिरकर घायल हुए यात्री को एम्स में भर्ती कराया

नगर संवाददाता

ऋषिकेश। केदारनाथ पैदल मार्ग पर खच्चर से गिरकर घायल हुए एक तीर्थयात्री को शुक्रवार की सुबह हेली एंबुलेंस के जरिए एम्स ऋषिकेश लाया गया। जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

गुरुवार की शाम केदारनाथ पैदल मार्ग पर लिंचोली के निकट विनोद कुमार (28 वर्ष) निवासी नंदा नगर चमोली खच्चर से गिरकर घायल हो गया था। जिसे स्वामी विवेकानंद धर्मार्थ चिकित्सालय बेस कैंप केदारनाथ में उपचार के लिए ले जाया गया था। यहां से उसे चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर करने की सिफारिश की थी। एम्स ऋषिकेश के जनसंपर्क अधिकारी हरीश मोहन थपलियाल ने बताया कि चमोली जिला प्रशासन की ओर से बीती शाम ही इस संबंध में सूचना भेज दी गई थी। शुक्रवार की सुबह 8.

10 पर हेलीकाप्टर एम्स ऋषिकेश के हेलीपैड पर पहुंचा। यहां से एम्स की टीम ने घायल युवक को ट्रामा सेंटर इमरजेंसी में शिफ्ट कर दिया है। युवक के पेट के निचले हिस्से में अंदरूनी चोट है। पैदल मार्ग पर खच्चर से गिरने से युवक घायल हुआ था।

डीआईटी विश्वविद्यालय में छात्रों ने सीखे आपदा प्रबंधन के गुर

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य अपनी विशिष्ट भौगोलिक, भूवैज्ञानिक और जलवायु परिस्थितियों के कारण एक बहु–जोखिम प्रवण राज्य है। एक ओर, राज्य लोगों का पसंदीदा पर्यटन स्थल है क्योंकि इसका अधिकांश क्षेत्र पहाड़ी (86 प्रतिशत) और वनाच्छादित (65 प्रतिशत) है और राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में इसका बड़ा योगदान है जबकि दूसरी ओर, राज्य की संवेदनशीलता विभिन्न प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के लिए भी फ्लैश फ्लड, भूस्खलन और भूकंप के रूप में प्रकट होता है। उपर्युक्त आपदाओं की बढ़ती प्रवृत्ति ने स्थानीय निवासियों को असुविधा का कारण बना दिया है और पर्यटकों और तीर्थयात्रा के लिए आने वाले लोगों को भी प्रभावित किया है। इससे बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और मरम्मत के लिए धन का निवेश करने के लिए सरकार पर अतिरिक्त बोझ भी पड़ता है। उपरोक्त कमजोरियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार संचालन केंद्रों,

जिला प्रशासन और अन्य संस्थानों, राज्य और जिला विभागों के समुदाय और अन्य हितधारकों की क्षमता निर्माण को सशक्त बनाकर राज्य में आपदा प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करने के लिए सक्रिय हो गई है। इसके मद्देनजर डीआईटी विश्वविद्यालय ने राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के सहयोग से आपदा प्रबंधन पर जागरूकता कार्यशालाध्मॉक ड्रिल का आयोजन किया है। एसडीआरएफ ने प्रबंधन के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के उपकरणों और तकनीकों के बारे में जानकारी दी है। आपदा जैसेय आग, बाढ़, भूकंप, आदि। कार्यशाला में किसी भी आपदाध्आकस्मिक स्थिति के मामले में पालन किए जाने वाले सुरक्षा उपायों के संबंध में सुरक्षा कर्मचारियों, छात्रावास कर्मचारियों, हाउसकीपिंग, रखरखाव और परियोजना टीम के कर्मचारियों ने भाग लिया। एसडीआरएफ टीम ने कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) का प्रदर्शन किया है क्योंकि यह एक जीवन रक्षक तकनीक है, जो कई आपात स्थितियों में उपयोगी है, जैसे कि दिल का दौरा या डूबने के करीब, जिसमें किसी की सांस या दिल की धड़कन बंद हो गई हो। कार्यशाला में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

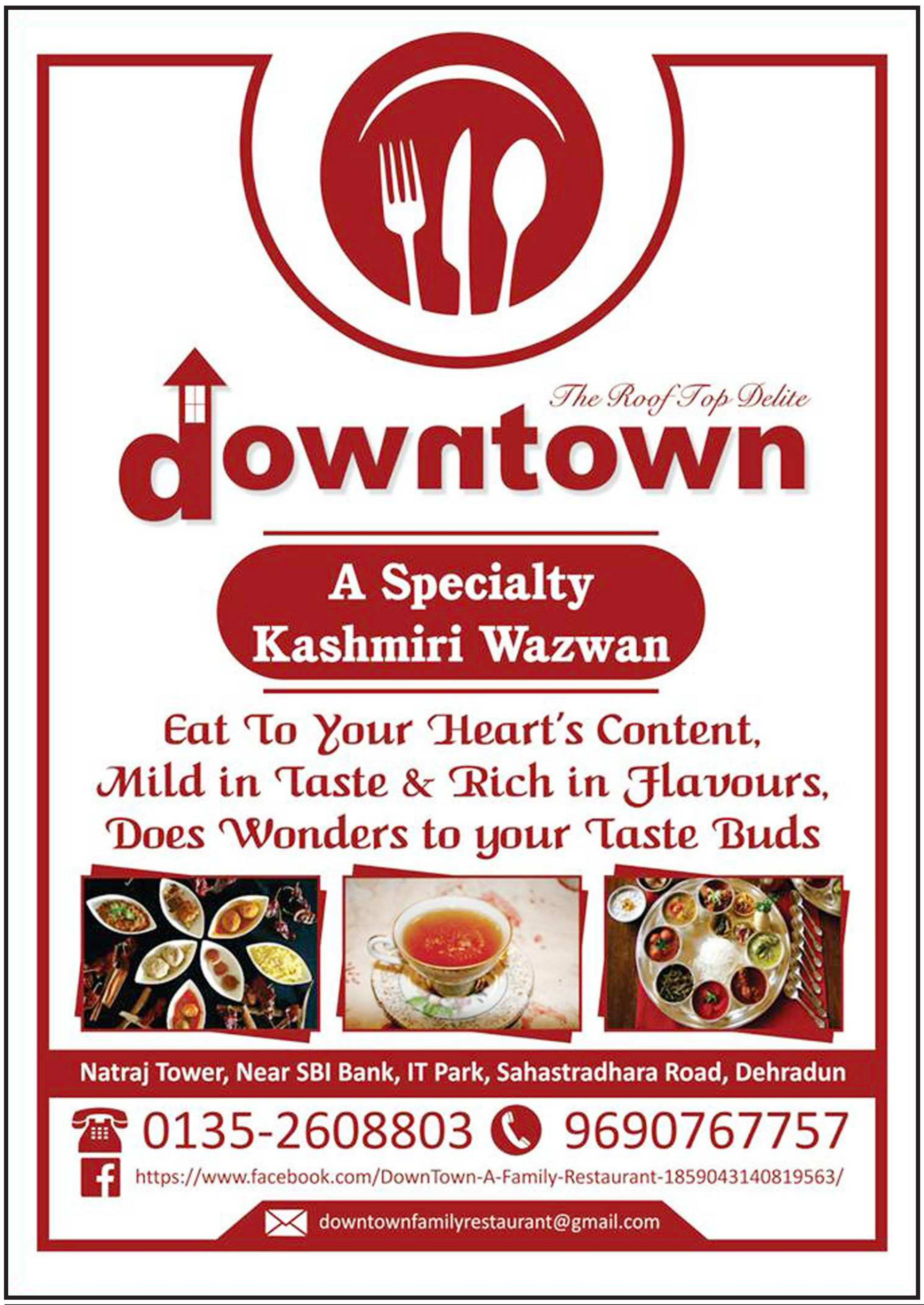

आईआईटी रुड़की, एग्रोब और गरुड़ एयरोस्पेस पार्टनर भारत में ड्रोन प्रशिक्षण उपलब्ध करेंगे

रुड़की, नगर संवाददाता। आईआईटी, रुड़की एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान; गरुड़ एयरोस्पेस, चेन्नई के साथ पंजीकृत एक प्रमुख ड्रोन स्टार्ट–अप; और एग्रोब, इंडिया और एमएसएमई , स्टार्ट–अप, गुड़गांव के तहत पंजीकृत एक कृषि–पारिस्थितिकी तंत्र, जिसने तीव्रता से विकसित हो रहे भारतीय ड्रोन पारिस्थितिकी तंत्र में स्वदेशी ड्रोन पायलटों की बढ़ती मांग को संयुक्त रूप से संबोधित करने के लिए एक दीर्घकालिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। तीनों पक्षों के पारस्परिक लाभ, प्रयासों में ताल–मेल बिठाने और विशेषज्ञ सेवाओं की तलाश करने के लिए, संगठनों ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत काम–काज को औपचारिक रूप देने के लिए एक त्रिपक्षीय का गठन किया। यह सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स, डिजिटल समाधान, ड्रोन पायलट प्रशिक्षण, डेमो, एआई आधारित समाधानों में तथा अन्य संबंधित क्षेत्रों के प्रमुख तकनीकी और अनुसंधान क्षेत्रों में आगामी ड्रोन प्रौद्योगिकियों के पारस्परिक रूप से लाभकारी एरिया में पार्टियों के बीच बातचीत को बढ़ावा देगा और संयुक्त (पायलट) परियोजनाओं को शुरू करेगा, साथ ही आईआईटी रुड़की एप्लिकेशन–आधारित समाधान यानी एआई आधारित निगरानी, घ्द्धूसरों के बीच प्रदान करेगा। ।ळल्ट्ठ और गरुड़ वास्तविक समय कार्यान्वयन प्रदान करेंगे। एग्रोब इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कृषि और तकनीकी उत्पादों और सेवाओं के निर्माण पर केंद्रित है। प्रोफेसर अजीत के चतुर्वेदी, निदेशक, आईआईटी रुड़की ने कहा, यह साझेदारी अभिनव समाधान प्रदान करके मेक इन इंडिया ड्रोन के सहयोगी विकास की सुविधा प्रदान करेगी। आईआईटी रुड़की एआई आधारित निगरानी जैसे एप्लिकेशन–आधारित समाधानों पर ध्यान केंद्रित करेगा, और ड्रोन के लिए अनुकूलित समाधान प्रदान करने में शामिल होगा। छात्र हार्डवेयर और ड्रोन उड़ान रणनीतियों के विकास में शामिल होंगे। त्रिपक्षीय समझौते के बारे में बोलते हुए, प्रो धर्मेंद्र सिंह, समन्वयक, ड्रोन रिसर्च सेंटर, आईआईटी रुड़की ने कहा, हमारा लक्ष्य उद्योग साझेदारी के माध्यम से एक ड्रोन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना और मूल्य वर्धित अनुसंधान इनपुट प्रदान करना है। इस सहयोग में, हम भविष्य के एआई ड्रोन विकसित करेंगे, किसानों और एग्रीटेक सेवा प्रदाताओं को शिक्षित करके उन्हें भविष्य के लिए तैयार करेंगे। इएग्रोब के संस्थापक और सीईओ हर्ष उपाध्याय ने कहा, यह त्रिपक्षीय सहयोग आने वाली पीढ़ी के लिए ड्रोन युग क्रांति लाने वाले मेक इन इंडिया ड्रोन के लिए एग्रीटेक एग्रीगेटर के रूप में आईआईटी रुड़की के अनुसंधान और एआई प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए है। यह रणनीतिक साझेदारी किसानों के बीच जागरूकता पैदा करेगी।

यमुनोत्री हाईवे पर फिर भूधंसाव, कई वाहन फंसे

उत्तरकाशी, क्राइम पेट्रोल संवाददाता। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर राना चट्टी के पास शुक्रवार को फिर से भूधंसाव हो गया, जिसके कारण यहां बड़े वाहनों की आवाजाही अवरुद्ध हो गई है। आवाजाही अवरुद्ध होने से जानकी चट्टी की ओर करीब 300 से अधिक बस फंस गई हैं। बड़कोट की उपजिलाधिकारी शालिनी नेगी ने कहा की गुरुवार को मार्ग खुलने के बाद अत्यधिक वाहनों की आवाजाही होने के कारण राना चट्टी के पास फिर से भूधंसाव हुआ है। जिसके कारण बड़े वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। इससे राजमार्ग पर जाम की स्थिति बनी हुई है।यमुनोत्री धाम से 25 किलोमीटर पहले रानाचट्टी के पास बुधवार की शाम बारिश से हाईवे का 15 मीटर हिस्सा धंस गया था। राजमार्ग गुरुवार की शाम को 25 घंटे बाद सुचारू हो पाया था।राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व लोक निर्माण विभाग की टीम बुधवार की रात से राजमार्ग को खोलने में युद्ध स्तर पर जुटी थी। राजमार्ग पर दौरान बड़कोट से जानकी चट्टी तक जगह–जगह दस हजार से अधिक यात्री फंसे हुए थे। चारधामों में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए शासन की ओर से बीते बुधवार को सभी धामों के आफलाइन पंजीकरण पर रोक लगा दी गई थी। गुरुवार के बाद शुक्रवार को भी पंजीकरण कार्य बंद रहा।

25 मई तक चारधाम यात्रा रजिस्ट्रेशन बंद, तीर्थ यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें

हरिद्वार, क्राइम पेट्रोल संवाददाता। उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा के लिए किए जा रहे पंजीकरण को 25 मई तक बंद कर दिया है। सरकार चारों धामों में श्रद्धालुओं की संख्या निर्धारित कर रही है। जिसके तहत 25 मई तक रजिस्ट्रेशन फुल होने के कारण नए पंजीकरण नहीं किए जा रहे हैं। वहीं, रजिस्ट्रेशन नहीं होने से श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

चारधाम में श्रद्धालुओं की व्यवस्था सुचारू करने के लिए प्रदेश सरकार ने चारों धामों में यात्रियों की संख्या निर्धारित की है। जिस कारण 25 मई तक रजिस्ट्रेशन के स्लॉट फुल हो चुके हैं। वहीं, यात्रियों को पंजीकरण नहीं मिलने से निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है। जिला पर्यटन अधिकारी सुरेश यादव का कहना है कि 25 मई तक बदरीनाथ और 14 जून तक केदारनाथ धाम के स्लॉट बुक हैं। वहीं दूसरी तरफ नाराज यात्रियों का कहना है हजारों रुपए खर्च कर चारधाम यात्रा के लिए पहुंचे हैं। ऐसे में पंजीकरण बंद हैं जिससे उन्हें या तो अधिक रुपए खर्च करने पड़ेंगे या भगवान के दर्शन करे बिना ही वापस लौटना पड़ेगा। बता दें कि 3 मई से चारधाम यात्रा शुरू हुई थी। अभी तक 7 लाख 7 हजार से ज्यादा श्रद्धालु चारधाम के दर्शन कर चुके हैं। सबसे ज्यादा श्रद्धालु केदारनाथ में पहुंचे हैं, जहां 2 लाख 36 हजार (2,36,669) तीर्थयात्री बाबा केदार का आशीर्वाद ले चुके हैं।

Aman Generator House
All Uttarakhand Service

KVA To 25, 62, 82, 125, 250, 280, 320, 500, 750, 1250, KVA Generator also Available
For Rent & Old Generator Sala & Purchase & Service
8191001817, 9760407371
Office : Opp IT Park, Sahastradhara Road Dehradun

पर्यावरणविद धूम सिंह नेगी को मिलेगा हिमालय प्रहरी सम्मान

देहरादून, नगर संवाददाता। प्रसिद् पर्यावरणविद व पद्मविभूषित सुन्दरलाल बहुगुणा की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर सुन्दरलाल बहुगुणा स्मृति सम्मान व पुस्तक विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। पद्मविभूषित सुंदर लाल बहुगुणा के आदर्शों व उनके कार्यों को आधार बनाकर उनकी स्मृति में हिमालय प्रहरी नाम से सम्मान दिया जाना है। यह सम्मान इस वर्ष प्रसिद्ध पर्यावरणविद व जमना लाल बजाज पुरस्कार से सम्मनित धूम सिंह नेगी को दिया जाएगा। यह पुरस्कार, सुन्दरलाल बहुगुणा के द्वारा 1992 में स्थापित हिमालय बचाओ आन्दोलन द्वारा दिया जाएगा। इस कार्यक्रम में बहुगुणा के साथ जुड़े अनेक बुद्धिजीवी व विभिन्न वर्ग के लोगों के लेख का संकलन कर पुस्तक–संकल्प के हिमालय सुन्दरलाल बहुगुणा व जॉर्ज जेम्स की पुस्तक का हिंदी अनुवाद पारिस्थिकी, स्थायी आर्थिकी है का विमोचन होना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गांधी की पौत्री तारा गाँधी भट्टाचार्य हैं व कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राधा बहन (लक्ष्मी आश्रम कौसानी), मैगसेसे पुरस्कार से सम्मनित जलपुरुष राजेन्द्र सिंह, पद्मभूषण अनिल जोशी, नबवेज के डीजी राजेन्द्र डोभाल, नरेंद्र सिंह नेगी, पद्मश्री कल्याण सिंह, जमनालाल पुरस्कार से सम्मानित विमला बहुगुणा, इंदिरा गांधी पर्यावरण पुरस्कार से सम्मानित व बीज बचाओ आन्दोलन के विजय जड़ध ारी, इत्यादि लोग प्रमुख रूप से शामिल होंगे। कार्यक्रम का आयोजन हिमालय बचाओ आन्दोलन, पर्वतीय नव जीवन मंडल, उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, सुन्दरलाल बहुगुणा पर्यावरण संरक्षण एवं शोध प्रतिष्ठान, हैस्को, सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी, डालियों का दगडया एवं जाड़ी संस्थान उत्तरकाशी के द्वारा किया जा रहा है।

सेवायोजन विभाग को बनाया जाएगा आउट सोर्स एजेन्सीः बहुगुणा

देहरादून, नगर संवाददाता। प्रदेश के कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा द्वारा विधानसभा स्थित सभा कक्ष में कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग के अधिकारियों तथा अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की गई।

मंत्री ने कहा कि सेवायोजन विभाग को आउट सोर्स एजेन्सी उत्तराखण्ड के रूप में विकसित किया जायेगा। सेवायोजन विभाग के पास 23 कार्यालय तथा लगभग 8.5 लाख लोग पंजीकृत है। उन्होंने सेवायोजन, कार्मिक एवं वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर आउट सोर्स एजेन्सी बनाने के प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा की तथा प्रस्ताव बनाये जाने हेतु अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। मंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा आउट सोर्स एजेन्सी का प्रस्ताव तैयार होने के बाद मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जायेगा। बैठक में सचिव कौशल विकास एवं सेवायोजन विजय यादव, सचिव न्याय धन्नजय चतुर्वेदी, निदेशक सेवायोजन डॉ0 बी०एस० चलाल, अपर सचिव कार्मिक सुमन सिंह वल्दिया, अपर सचिव वित्त रोहित मीणा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बंदरों का आतंकः महिला के बाल खींचकर जमीन पर पटका

बागेश्वर, क्राइम पेट्रोल संवाददाता। नगरपालिका क्षेत्र की रहने वाली एक महिला पर गुरुवार को बंदरों के झुंड ने हमला कर दिया। बाल खींचकर उसे जमीन पर पटक दिया। जिससे उसे गंभीर चोटे आई हैं। पीड़िता का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। जिससे क्षेत्र में दहशत बनी हुई है। नगर पालिका के बागनाथ वार्ड की रहने वाली शाहिदा गुरुवार को अपने घर की ओर जा रही थी। उसके हाथ में कुछ सामान था। अचानक मकान की रेलिंग पर बैठा एक बंदर उस पर झपट गया। वह भगाने का प्रयास करने लगी, लेकिन तभी पास में बैठे अन्य बंदर भी उस पर झपट पड़े। बंदरों ने महिला का बाल खींचकर जमीन पर पटक दिया। जिसके कारण महिला के पैर में भी मोच आ गई। बंदरों के हमले को देखकर आसपास के लोगों ने शोरगुल कर उन्हें भगाया। रेडक्रास के चेयरमैन संजय साह जगाती ने तत्काल महिला को अस्पताल पहुंचाया और उसका उपचार कराया। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है। रेडक्रास के जगदीश उपाध्याय, दीपक पाठक, आलोक पांडे, भुवन चौबे आदि ने कहा कि बाहर से भी बंदर छोड़े जा रहे हैं। वह लोगों के फसलों के अलावा उन्हें भी चोटिल करने लगे हैं। उन्होंने जिले में बंदरबाड़ा बनाने की मांग की है। इधर, आरओ श्याम सिंह करायत ने बताया कि बंदरबाड़ा के लिए उच्चाधिकारियों को पत्र लिखा जाएगा।

संपादकीय..............

नमामि गंगे परियोजना के तहत राज्य के लिए 43 करोड़ की चार परियोजनाओं को मिली स्वीकृति

उत्तराखण्ड राज्य को नमामि गंगे परियोजना के तहत् गंगा नदी जल प्रदूषण नियंत्रण एवं गंगा तटों पर जनसुविधा विकसित किये जाने हेतु लगभग 43 करोड़ की लागत की 04 परियोजनाओं को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार की 42 वीं कार्यकारी समिति की बैठक में सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की गयी है। जिसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री का कहना है कि, नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत् स्वीकृत परियोजनाएं उत्तराखण्ड में गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं निर्मलता हेतु अत्यधिक महत्वपूर्ण परियोजनाएं है, जिसमें रू 32.10 करोड की लागत से जनपद चमोली में श्री बद्रीनाथ जी धाम में स्वीकृत रीवर फ्रन्ट डेवलेपमेन्ट के कार्य की परियोजना गंगा नदी स्वच्छता एवं निर्मलता के साथ–साथ पर्यटन की दृष्टि से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसके तहत् श्रद्धालुओं की सुविधाओं हेतु श्री बद्रीनाथ जी धाम में मास्टर प्लान के अनुसार 227 मी0 एवं 232 मी0 के 02 ट्रैक, रेन सैल्टर, 04 पवेलियन, 02 टॉयलेट ब्लाक इत्यादि विकसित किये जायेंगे। जी. अशोक कुमार, महानिदेशक, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक जिसमें उत्तराखण्ड राज्य से उदय राज सिंह, अपर सचिव, पेयजल (नमामि गंगे) द्वार वर्चुवली रूप से प्रतिभाग किया गया। श्री बद्रीनाथ धाम परियोजना के अतिरिक्त रू0 1.82 करोड की लागत से जनपद पौड़ी गढ़वाल के यमकेश्वर ब्लाक के भोगपुर तल्ला में मोक्षघाट का निर्माण तथा रू0 8.60 करोड की लागत से जनपद हरिद्वार में जगजीतपुर व सराय, ऋषिकेश, श्रीनगर एवं देवप्रयाग में निर्मित सीवेज शोधन संयत्रों में जाने वाले सैप्टेज के को–ट्रीटमेन्ट (उपचार) की परियोजनाओं को भी स्वीकृति प्रदान की गयी। सभी परियोजनाओं पर शीघ्र ही कार्य आरम्भ किये जायेंगे।

ओप्पो इंडिया ने ओप्पो एलिवेट प्रोग्राम के दूसरे संस्करण के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ हाथ मिलाया

देहरादून, नगर संवाददाता। भारत से इनोवेशन को आगे बढ़ाने के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप काम करते हुए, ओप्पो इंडिया ने आज देश में स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने के लिए ओप्पो एलिवेट प्रोग्राम के दूसरे संस्करण को लॉन्च करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ अपने सहयोग की घोषणा की। इस कार्यक्रम के माध्यम से, ओप्पो का लक्ष्य भारत में समग्र इनोवेशन संस्कृति में तेजी लाना और उन स्टार्टअप्स को मेंटर करना है जो उद्योग में अगला बड़ा तकनीकी परिवर्तन लाने की क्षमता रखते हैं। 19 मई से, एक्सेसिबल टेक्नोलॉजी और डिजिटल हेल्थ के स्टार्टअप, इस कार्यक्रम के भारतीय संस्करण के लिए आवेदन कर सकेंगे। इन प्रस्तावों की समीक्षा विशेषज्ञों की एक सम्मानित जूरी द्वारा की जाएगी, जिसका नेतृत्व तसलीम आरिफ, वीपी एवं आरएंडडी हेड, ओप्पो इंडिया, मधुरिमा अग्रवाल, कंट्री हेड–इंडिया, माइक्रोसॉफ्ट फॉर स्टार्टअप आदि करेंगे।

इस पहल पर टिप्पणी करते हुए तसलीम आरिफ, वाइस प्रेसिडेंट एंड आरएंडडी हेड, ओप्पो इंडिया ने कहा, ."ओप्पो में, हम ऐसे समाधान विकसित करने में विश्वास करते हैं जो चुनौतियों तथा अनिश्चितताओं के खिलाफ आशावाद और प्रेरणा लाता है, और भविष्य में प्रेरणा जारी रखना हमारे ब्रांड प्रस्ताव के अनुरूप है। हम वर्षों से देश में शानदार इनोवेशन का नेतृत्व कर रहे हैं और एलिवेट प्रोग्राम नए युग के इनोवेटर्स के लिए इसमें योगदान करने के लिए दरवाजे खोलता है। ओप्पो एलिवेट प्रोग्राम ने अपनी स्थापना के बाद से महत्वपूर्ण सफलता देखी है और दूसरे संस्करण के साथ, हमारा लक्ष्य स्वास्थ्य और पहुंच में इनोवेशन का निर्माण करना तथा वैश्विक मंच पर भारतीय इनोवेशन को उजागर करना है।" मधुरिमा अग्रवाल, कंट्री हेड– माइक्रोसॉफ्ट फॉर स्टार्टअप्स, इंडिया ने कहा, "एक्सेसिबिलिटी और हेल्थकेयर के क्षेत्रों में स्टार्टअप अपने इनोवेशन के जरिए तकनीकी प्रभाव को व्यापक और गहरा करने की फिर से कल्पना कर रहे हैं। स्टार्टअप्स के लिए ओप्पो इंडिया और माइक्रोसॉफ्ट के बीच सहयोग, देश में स्टार्टअप्स के इनोवेशन और उद्यमशीलता की ऊर्जा को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, हम दोनों संगठनों के संयुक्त संसाधनों के साथ स्टार्टअप्स को डिजिटल इनोवेशन के प्रभाव को सही मायने में बढ़ाने में मदद करने की उम्मीद करते हैं।"

मौज ने किया देहरादून में मौज मैडहाउस के 5वें संस्करण का समापन

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

देहरादून। भारत के नंबर एक लघु वीडियो ऐप मौज ने हाल ही में मौज मैडहाउस के 5वें संस्करण का समापन किया, जो देहरादून में रचनात्मक कंटेंट क्रिएशन के लिए मौज डिजिटल क्रिएटर्स को एक छत के नीचे लाने की पहल थी। मौज के 16 शीर्ष और उभरते हुए क्रिएटर्स ने एक सप्ताह तक एक ही छत के नीचे एक शानदार संपत्ति में रचनात्मक सहयोग के साथ रहे, जिसके परिणामस्वरुप ढेर सारा आकर्षक कंटेंट क्रिएट हुआ। गर्मी की तपिश से बहुत जरूरी राहत देते हुए, देहरादून घाटी का सुरम्य स्थान मोज मैडहाउस गतिविधि के लिए एक आदर्श स्थान बन गया। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम में हर दिन अलग–अलग विषय थे ताकि क्रिएटर्स एक–दूसरे के साथ सहयोग कर सकें ताकि विजुअल्स का शानदार प्रदर्शन किया जा सके। इस पहल का उद्देश्य एक मजबूत क्रिएटर कम्युनिटी का निर्माण करना है जो उन्हें मौज पर सहयोग करने और आकर्षक सामग्री बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, शशांक शेखर – सीनियर डायरेक्टर– कंटेंट स्ट्रैटेजी एंड ऑपरेशंस, शेयरचौट एंड मोज, ने कहा कि मौज क्रिएटर्स विविध सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं, लेकिन आम विशेषता जो उन्हें एक साथ जोड़ती है, वह है उनका अथक जुनून और मनोरंजक बनाने का प्रयास। मौज क्रिएटर्स को स्वतंत्र रूप से खुद को व्यक्त करने, अपनी प्रतिभा दिखाने और उनकी कंटेंट का आनंद लेने वाले लोगों से जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करता है। मौज मैडहाउस गतिविधि का

एक हिस्सा होने के नाते, महमूदा खातून (ब्यूटी खान) ने कहा कि मैंने देहरादून के मौज मैडहाउस में बहुत अच्छा समय बिताया। मैं साथी क्रिएटर्स से मिली और उनसे जुडी और उनसे बहुत कुछ सीखा। हमने एक साथ कंटेंट बनाया और अपने कंटेंट को अपने दर्शकों के लिए अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए टिप्स का आदान–प्रदान किया। 11 मई को शुरू हुए मौज मैडहाउस के 5वें संस्करण में विविध मूल और प्रतिभाओं के रचनाकारों की भागीदारी देखी गई, जो मौज पर अपनी यात्रा शुरू करने के बाद स्टारडम तक पहुंचे। मौज मैडहाउस के क्रिएटर्स में अभिनेता और प्रेरक वक्ता शामिल थे – मुंबई के विवेक केशरी, जो रणवीर सिंह की छवि के रूप के लिए लोकप्रिय हैय कोलकाता से लोकप्रिय क्रिएटर – ब्यूटी खानय प्रसिद्ध नर्तक – अरबाज मलिकय उदयपुर के कॉमेडी क्रिएटर जय – वीरू उर्फ फिरोज खान और शोएब खान और वायरल कॉमेडियन – प्रतीक भरद्वाज तथा कई अन्य।

ओलंपस हाई में 23वां वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

नगर संवाददाता

देहरादून। ओलंपस हाई ने स्कूल परिसर में शैक्षणिक वर्ष 2021–22 के लिए 23वां वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल क्वायर द्वारा स्कूल गीत वी आर प्राउड टू बी ओल्म्पियन्स की प्रस्तुति के साथ हुई। इसके बाद मुख्य अतिथि प्रिंसिपल हिमज्योति स्कूल रूमा मल्होत्रा, प्रिंसिपल ओलंपस हाई डॉ अनुराधा मल्ला, प्रबंधन निदेशक डॉ कुनाल शमशेर मल्ला और वाइस प्रिंसिपल मनप्रीत सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया।

बाद में कार्यक्रम के दौरान स्कूल क्वायर द्वारा गीत जननी और पानी प्रस्तुत किया गया। इसके बाद जूनियर छात्रों द्वारा श्कोलीश मछुआरा लोक नृत्य और सीनियर छात्रों द्वारा कर्नाटक लोक नृत्य श्ढोलू कुनीताश प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का

मुख्य आकर्षण पुरस्कार वितरण समारोह रहा, जिसमें कक्षा केजी से बारहवीं कक्षा के छात्रों को रूमा मल्होत्रा और डॉ अनुराधा मल्ला द्वारा सम्मानित किया गया। वर्ष 2021–22 के लिए छात्रों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान, ओलंपस हाई में 10 वर्ष और उससे अधिक पूरा करने वाले शिक्षकों को उनकी कड़ी मेहनत के लिए सम्मानित किया गया। ओलंपस हाई के सीनियर छात्रों द्वारा एक फ्यूजन नृत्य भी प्रस्तुत किया गया जिसे सभी ने सराहा। प्रिंसिपल डॉ अनुराधा मल्ला और प्रबंधन निदेशक डॉ कुनाल शमशेर मल्ला ने मुख्य अतिथि रूमा मल्होत्रा को स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम का समापन प्रबंधन निदेशक डॉ. कुनाल शमशेर मल्ला के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने माता–पिता से अपने बच्चों के बचपन से बड़े होने तक के हर पड़ाव पर उनका समर्थन करने का आग्रह किया।

दूल्हा दुल्हन को शगुन में पौध देने से आएगी जीवन में खुशियां: सोनी

मसूरी, नगर संवाददाता। शादी का बंधन जीवन के सफर में खुशियां लाती हैं यह एक ऐसा पल होता हैं जो जीवनभर एक दूसरे के सुख दुःख में साथ निभाने की रस्में होती हैं। राइका मरोडा, सकलाना में कार्यरत पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी दूल्हा लोकेश व दुल्हन सोनम के शादी में कैम्पटी पहुंचकर वर वधू को शगुन में तुलसी का पौधा उपहार में देकर आशीर्वाद दिया। वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी कहते हैं वर वधू को शगुन में पौधा देने से उनके जीवन में खुशियां आती हैं जिस प्रकार पेड़ अपार खुशियां दूसरों को देकर खुश रहता हैं उसी प्रकार अपनो के साथ खुश मिलकर जीने की प्रेरणा देते है पेड़ पौधे, उसी प्रकार शगुन में दिया पौधे के रोपण से जीवन में खुशियां आती हैं हर अभिभाव को अपने बच्चों के शादी में शगुन में पौधा देकर इस धरती को उपहार स्वरूप एक पौधा अवश्य रोपे। दूल्हा लोकेश कहते हैं शगुन में दिया पौधा प्रकृति देवता का आशीर्वाद हैं वही दुल्हन सोनम कहती हैं प्रकृति की तरह औरत को माना जाता है मेरा प्रयास भी इस धरा में निहित संसाधनों को बचाने का प्रयास किया जायेगा। कार्यक्रम में नरेंद्र रावत, वीरेंद्र सिंह रावत, शिवेंद्र रावत, कमलेश, सिब्बल सिंह सजवाण, सावित्री देवी अनसूया सिंह पवार, लक्ष्मी प्रसाद भट्ट आदि थे।

देहरादून
visit:-www.crimepatroluk.com
क्राइम पेट्रोल
शनिवार 21 मई 2022, देहरादून।
8

बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम में बजट के लिए लोगों ने दिए अपने सुझाव

नगर संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा तैयार किये जा रहे बजट में आम जनता के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित हो। इसके लिए बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है, जिसमें उद्योग, व्यापार, होटल, पर्यटन, कृषि आदि विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों के बहुमूल्य सुझाव प्राप्त हुए है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य का बजट सामान्य जनता का बजट बने इसके लिए नैनीताल के बाद देहरादून में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नागरिकों के सपनों को साकार करने में बजट की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। सरकार जनता के लिये होती है। इसमें जनता को सहभागी बनाने का हमारा प्रयास है। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले विषय विशेषज्ञ समाज की क्रीम होती है। वह समाज को दिशा देने का कार्य करते है। इस संवाद कार्यक्रम में प्राप्त महत्वपूर्ण सुझावों का समावेश बजट में किये जाने का उन्होंने भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजकीय कोष को बढ़ाये जाने के लिये कर राजस्व को बढ़ावा देने के प्रयासों के साथ ही अनेक महत्वपूर्ण सुझावों को अमल में लाया जायेगा। राज्य का जी.एस.टी में केन्द्र सरकार द्वारा दी गई छूट की अवधि समाप्त हो रही है। जिसमें राज्य को 05 हजार करोड़ के नुकसान का अनुमान है। इसकी भरपाई कैसे हो इस दिशा में भी हमें सोचना है। हमारा राज्य धर्म और आध्यात्म का केन्द्र है। हमें राज्य की इकोलॉजी और इकोनोमी को साथ लेकर चलना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड तब बनेगा जब हम सब अपने दायित्वों का सही ढंग में निर्वहन करें। हमारे उद्योग, व्यापार, होटल आदि बेहतर ढंग से संचालित हो। उत्तराखण्ड के विकास की यात्रा हमारी सामूहिक यात्रा है। हमारा लक्ष्य उत्तराखण्ड को 2025 तक देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करना है। हमारे राज्य में उद्योग व्यापार सही ढंग से संचालित हो इसके लिये उनके साथ भी संवाद का कार्यक्रम निरन्तर जारी है। उद्योग की अधिकांश समस्याओं का समाधान किया जा चुका है। हमारा मानना है कि राज्य में उद्योग सही ढंग से चलेंगे तो और अधिक उद्योग राज्य में लगेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे उद्यमी हमारे ब्राण्ड अम्बेसडर भी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के समेकित विकास के दृष्टिगत बोधिसत्व विचार श्रृखंला का भी आयोजन किया गया है। इसमें भी विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों एवं बुद्धिजीवियों ने अपने बहुमूल्य सुझाव सरकार को दिये है। इस प्रकार के संवाद कार्यक्रमों एवं चिन्तन से जो निष्कर्ष निकलेगा उसकी प्रदेश के विकास में बड़ी भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि हम सरलीकरण समाधान एवं निस्तारीकरण की प्रक्रिया को कार्य व्यवहार में ला रहे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश के साथ प्रदेश में भी हर क्षेत्र में प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक बताया है। हम इसके लिये सबको साथ लेकर चल रहे है। सभी की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। हमारी सरकार उद्यमियों के साथ है। हमारे उद्यमी हमारे युवाओं के मददगार बने इसकी उन्होंने जरूरत बतायी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा अपने चरम पर है। यात्रियों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने अपेक्षा की कि जो लोग मेडिकली फिट नही है वे अभी यात्रा पर न आये। यात्रा में भगदड़ अथवा किसी अन्य अव्यवस्था के कारण किसी भी यात्री की मृत्यु नहीं हुई है। इस बार की यात्रा हमारे लिये चुनौती भी है। उन्होंने सभी होटल व ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों आदि से अपेक्षा की है कि यात्रियों के साथ अच्छा व्यवहार करे। अतिथि देवो भवः हमारी परम्परा है। जब हम यहां आने वालों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे तो वे बार–बार यहां आयेंगे तथा देश व दुनिया में राज्य की बेहतर पहचान बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय निकायों के साथ ग्राम इकाई मजबूत हो, विकास का लाभ सबको मिले इसके लिये सभी को सहभागी बनना होगा। अकेले सरकार सब कुछ नहीं कर सकती हैं उन्होंने कहा कि इस संवाद में प्राप्त होने वाले सुझाव सर्वस्पर्शी एवं सर्वग्राही बजट बनाने के साथ ही प्रदेश की व्यवस्थाओं को मजबूत करने में मददगार होंगे। इस अवसर पर वित्त मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री की पारकल्पना का परिणाम है कि प्रदेश में पहली बार बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसे उन्होंने राज्य हित में युवा मुख्यमंत्री की युवा सोच बताते हुए कहा कि संवाद कार्यक्रम से राज्य का अच्छा बजट बनाने में मदद मिलेगी। समाज के अन्तिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के विकास की परिकल्पना भी इससे साकार होगी। इस संवाद कार्यक्रम में जिन्होंने अपने सुझाव रखे उनमें बीज बचाओ अभियान के प्रणेता विजय गड़धारी, पद्मश्री प्रेम चन्द शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान, टिहरी सोना सजवाण, जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, मेयर देहरादून सुनील उनियाल गामा, ऋषिकेश अनिता मंमगाई, मेयर रूड़की अनुज गोयल, मेयर हरिद्वार, प्रान्तीय उद्योग व्यापर मंडल अध्यक्ष अनिल गोयल, सोनिया गर्ग, मनुकोचर, सिडकुल मैनिफैक्चर्स एसोसिएशन हरेन्द्र गर्ग, लघु उद्योग संगठन के कैलाश नागला, अध्यक्ष मसूरी होटल एसोसिएशन संजय अग्रवाल, होम स्टे संगठन के हर्षित सहगल, एडवेंचर टूरिज्म के राकेश पंत, ताज होटल ग्रुप के जी.के.शर्मा, चार्टट एकाउन्टेंट एसोसिएशन के सी.ए वीरेन्द्र कालरा, सी.ए. राजेश गुप्ता, चारधाम ट्रेवल के अभिषेक अहालूवालिया, रूड़की इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के केतन भारद्वाज, प्रान्तीय उद्योग व्यापार संगठन के विनय गोयल, डॉ किरन पुरोहित, कुन्दन सिंह पंवार, हरेन्द्र पाल सिंह नेगी, सहित विभिन्न क्षेत्र के विशेषज्ञों ने अपने सुझाव दिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक प्रवीन भारद्वाज द्वारा दून हाइट्स पब्लिकेशन, 12 किशनपुर राजपुर रोड, देहरादून से मुद्रित एवं 20 दिलाराम बाजार देहरादून, उत्तराखण्ड से प्रकाशित।
क्राइम पेट्रोल सांध्य दैनिक सम्पादक प्रवीन भारद्वाज मो. 9837625470, फैक्स : 0135-2740155 नोट:– समस्त विवादों का न्यायालय देहरादून क्षेत्र होगा।